ऐसा रूप सलोना तुम्हारा | By Raju Raj |

ऐसा रूप सलोना तुम्हारा
दुनिया में कहीं देखा नहीं है
दूर जाना ना नज़रों से मेरे
तुझे जी भर के देखा नहीं है

धाम है सपतग्राम तुम्हारा
लीलानंद है नाम तुम्हारा
तेरी कृपा से आए हैं दर पे
ले लो ले लो प्रणाम हमारा
ले लो ले लो प्रणाम हमारा
झोली भरते हैं सबकी बाबा
लौटा खाली कोई देखा नहीं है
ऐसा रूप सलोना तुम्हारा

गोपी चंदन है मस्तक पे तेरे
वास तेरा है नैनों में मेरे
रोम रोम में नाम तुम्हारा
जपता जाऊँ मैं साँझ सवेरे
हो जपता जाऊँ मैं साँझ सवेरे
इस जग में तुझसा दयालु
हमने कहीं भी देखा नहीं है
ऐसा रूप सलोना तुम्हारा

टोली भक्तों की आई है द्वारे
छोड़ कर के सब तेरे सहारे
दे दी जीवन की डोर ये तुझको
अब तारे या चाहे ना तारे
अब तारे या चाहे ना तारे
पार करता है नैया तू सबकी
कोई डूबा हो देखा नहीं है

ऐसा रूप सलोना तुम्हारा
दुनिया में कहीं देखा नहीं है
दूर जाना ना नज़रों से मेरे
तुझे जी भर के देखा नहीं है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%90%e0%a4%b8%e0%a4%be-%e0%a4%b0%e0%a5%82%e0%a4%aa-%e0%a4%b8%e0%a4%b2%e0%a5%8b%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-raju-raj/